SEM-4 (M.J.C. Paper-5) (History)

Topic :- गुप्त साम्राज्य (Gupta Empire)

काल :- लगभग 319 ई० से 550 ई० तक

संस्थापक :- श्रीगुप्त

उत्कर्ष काल :- चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य के समय

राजधानी :- पाटलीपुत्र (आधुनिक पटना)

→ स्थापना और विस्तार :—

* श्रीगुप्त और घटोत्कच (लगभग 240 ई० – 319 ई०)

गुप्त वंश के प्रारंभिक शासक थे।

उन्होंने गुप्त राज्य की नींव रखी, जो प्रारंभ में मगध क्षेत्र तक सीमित था।

* चन्द्रगुप्त प्रथम (319 – 335 ई०) —

गुप्त साम्राज्य के वास्तविक संस्थापक माने जाते हैं।

उन्होंने लिच्छवी राजकुमारी कुमारदेवी से विवाह किया, जिससे उन्हें मगध, लिच्छवी और प्रयाग क्षेत्रों पर अधिकार मिला।

उनके शासनकाल से ही गुप्त साम्राज्य की नींव मजबूत हुई।

उन्होंने "महाराजाधिराज" की उपाधि धारण की।

* सम्राट समुद्रगुप्त (335 ई० – 375 ई०) —

इन्हें भारत का नेपोलियन कहा जाता है।

उन्होंने उत्तरी भारत से लेकर दक्षिण भारत तक अनेक विजय अभियान चलाए।

उनके शासनकाल का वर्णन इलाहाबाद स्तंभ लेख (प्रयाग प्रशस्ति) मे मिलता है, जिसे उनके दरबारी कवि हरिषेण ने लिखा था।

उन्होंने जीते हुए राज्यों के साथ राजनैतिक और सांस्कृतिक संबंध बनाए रखे।

समुद्रगुप्त एक कुशल शासक, योद्धा और संगीतकार भी थे।

* चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) 375 ई० – 415 ई० :-

चन्द्रगुप्त द्वितीय समुद्रगुप्त के पुत्र थे।

उन्होंने शक (सौराष्ट्र-मालवा) पर विजय प्राप्त की।

उनकी राजधानी — उज्जैन थी।